



ऊर्जा संक्रमण और सुरक्षा में संतुलन

प्रलिस के लिये:

[आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25](#), [केंद्रीय बजट 2025-26](#), [ऊर्जा सुरक्षा](#), [कोयला](#), [प्राकृतिक गैस](#), [UNFCCC COP-29](#), [नवीकरणीय ऊर्जा](#), [महत्त्वपूर्ण खनजि](#), [यूरोपीय संघ](#), [REPowerEU प्लान](#), [राष्ट्रीय महत्त्वपूर्ण खनजि मशिन](#), [परमाणु ऊर्जा मशिन](#), [समॉल मॉड्यूलर रिएक्टर \(SMR\)](#), [भारत समॉल मॉड्यूलर रिएक्टर \(BSMR\)](#), [प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर \(PHWR\)](#)।

मेन्स के लिये:

ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोयले की भूमिका, ऊर्जा संक्रमण में कोयला और नवीकरणीय ऊर्जा में संतुलन।

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यों?

[आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25](#) भारत की [ऊर्जा सुरक्षा](#) और [आर्थिक विकास](#) के लिये एक [वश्वसनीय और कफायती](#) ऊर्जा स्रोत के रूप में कोयले के नरितर महत्त्व पर प्रकाश डालता है।

- एक अन्य घटनाक्रम में, [केंद्रीय बजट 2025-26](#) में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में कुछ पहलों की घोषणा की गई।

ऊर्जा सुरक्षा क्या है?

- ऊर्जा सुरक्षा:** [ऊर्जा सुरक्षा](#) से तात्पर्य एक [वश्वसनीय](#), [सतत](#) और [सस्ती](#) ऊर्जा प्रणाली को बनाए रखने की क्षमता से है जो व्यक्तियों, उद्योगों और सरकारों की आवश्यकताओं को पूरा कर सके।
- अवयव:**
 - उपलब्धता:** मांग को पूरा करने के लिये [वविधि स्रोतों](#) से [वश्वसनीय](#) ऊर्जा आपूर्ति।
 - सुगम्यता:** [दूरदराज के क्षेत्रों सहित](#) सभी तक ऊर्जा पहुँचाने के लिये बुनियादी ढाँचा।
 - वहनीयता:** उपभोक्ताओं और उद्योगों के लिये [स्थिर](#), [लागत प्रभावी](#) ऊर्जा कीमतें।
 - स्थिरता:** दीर्घकालिक पर्यावरण संतुलन के लिये [स्वच्छ](#), [कुशल](#) ऊर्जा उपयोग।
- महत्त्व:** यह दैनिक [ऊर्जा मांगों को पूरा करने](#) तथा कृषि और [वनिरिमाण](#) जैसे प्रमुख क्षेत्रों को सहयोग प्रदान करने हेतु आवश्यक है।
 - आर्थिक विकास:** औद्योगिक विकास और उत्पादकता को बढ़ावा देता है।
 - राजनीतिक स्थिरता:** ऊर्जा की कमी से उत्पन्न अशांति को रोकती है।
 - सतत विकास:** भविष्य के लिये [स्वच्छ](#) ऊर्जा सुनिश्चित करता है।
 - खाद्य सुरक्षा:** कृषि के लिये आवश्यक, खाद्य उत्पादन, वितरण और कीमतों को प्रभावित करती है।
- ऊर्जा सुरक्षा को प्रभावित करने वाले कारक:**
 - भौतिक कारक:** जीवाश्म समृद्ध क्षेत्रों में ऊर्जा सुरक्षा बेहतर है, जबकि अन्य क्षेत्रों को अभाव की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
 - लागत:** गैर-नवीकरणीय संसाधनों के ह्रास से नषिकरण लागत और ऊर्जा की कीमतें बढ़ जाती हैं।
 - प्रौद्योगिकी:** प्रगतने नवीकरणीय ऊर्जा को [व्यवहार्य](#) बना दिया है, लेकिन पर्यावरणीय प्रभावों पर भी [वचार](#) कथि जाना चाहिये।
 - राजनीतिक कारक:** भू-राजनीतिक तनाव और संघर्ष ऊर्जा आपूर्ति को बाधित कर सकते हैं।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिये कोयला क्यों महत्त्वपूर्ण है?

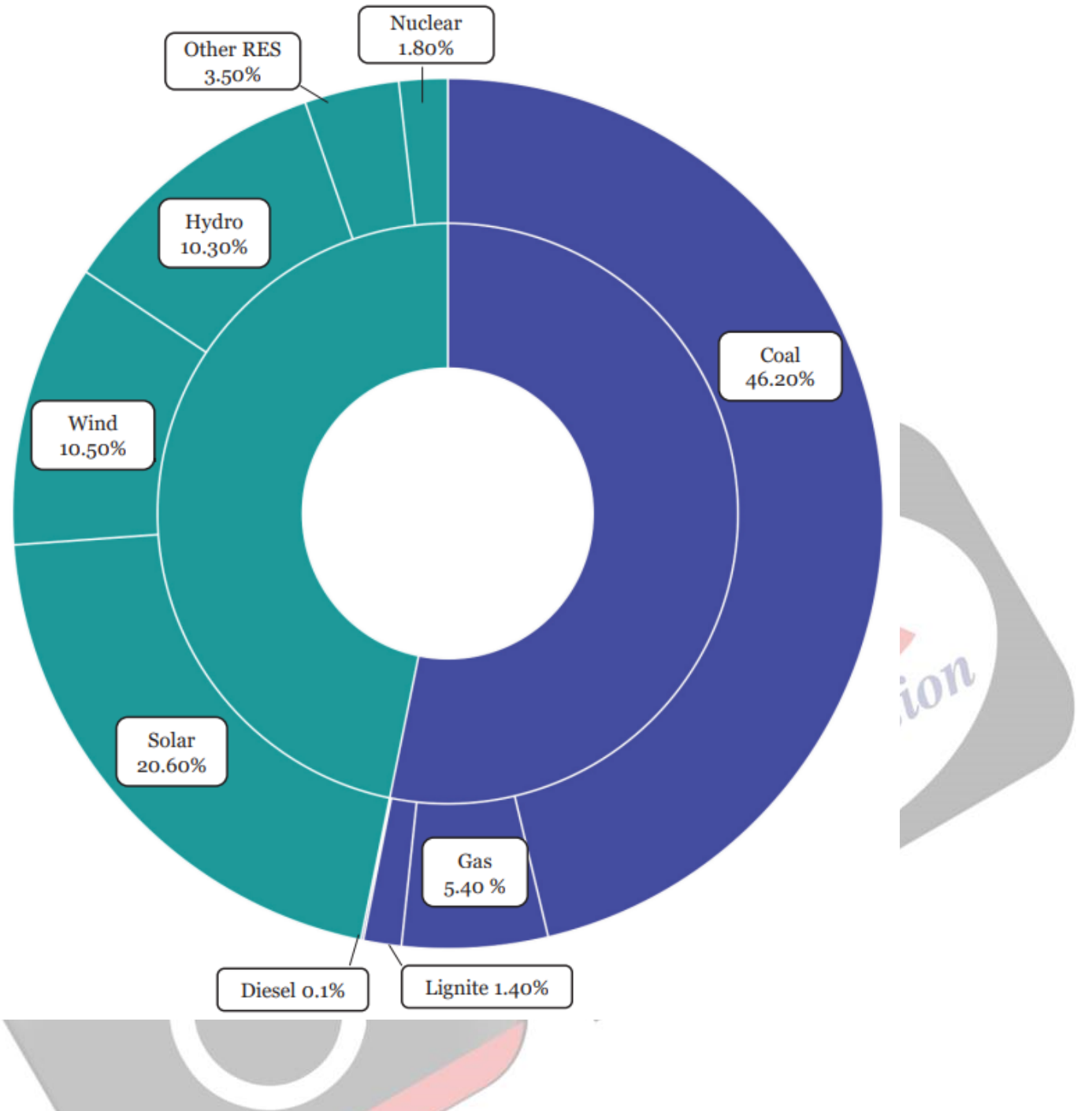
- वशाल कोयला भंडार:** भारत में [वश्व के कोयला भंडार का 10%](#) हिस्सा है, लेकिन [प्राकृतिक गैस](#) भंडार का केवल [0.7%](#) ही है, जिससे कोयला देश में सबसे [वश्वसनीय](#) और [कफायती](#) ऊर्जा स्रोत बन गया है।

- **आर्थिक व्यवहार्यता:** कोयला आधारित विद्युत संचयनों में, विशेष रूप से 2010 के दशक के दौरान, महत्वपूर्ण नविश किया गया है, तथा उनके समय से पूर्व बंद हो जाने से उनका उपयोग कम हो जाएगा तथा वे अनुपयुक्त हो जाएंगे।
- **जलवायु वित्तपोषण:** बाकू, अज़रबैजान में आयोजित [UNFCCC COP 29](#) में विकसित देशों ने वार्षिक जलवायु वित्तपोषण के लिये केवल 300 बिलियन अमेरिकी डॉलर का वादा किया, जो आवश्यक 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से कम है।
 - परिणामस्वरूप भारत को अपने जलवायु लक्ष्यों में संशोधन करना पड़ सकता है तथा कोयले पर अपनी निर्भरता बनाए रखने के लिये बाध्य होना पड़ सकता है।
- **नवीकरणीय ऊर्जा से जुड़ी चुनौतियाँ:** सौर और पवन जैसे [नवीकरणीय ऊर्जा](#) स्रोतों को नमिनलखित महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है:
 - ग्रिड एकीकरण के लिये उच्च नविश
 - रुकावट को प्रबंधित करने के लिये [बैटरी भंडारण](#) से संबंधित समस्याएँ।
 - नवीकरणीय ऊर्जा प्रतिष्ठानों के लिये सघन आबादी वाले क्षेत्रों में भूमि की उपलब्धता सीमित है।
 - नवीकरणीय प्रौद्योगिकी के लिये [महत्वपूर्ण खनजिों](#) की आवश्यकता है, जो भारत में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।
- **भू-राजनीतिक जोखिम:** नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों प्रायः आयातित सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों पर निर्भर करती हैं, जसिसे भारत की बाहरी भू-राजनीतिक जोखिमों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है, तथा ऊर्जा स्वतंत्रता और राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा मिलता है।
- **विकसित देशों से सबक:** अतीत में ऊर्जा परिवर्तन वाणज्यिक हितों से प्रेरित थे, न कि उन्नत अर्थव्यवस्थाओं से उत्सर्जन को सीमित करने की इच्छा से।
 - फ्रांस ने 1970 के दशक में [तेल प्रतिबंधों](#) के कारण अपनी परमाणु शक्तिका वस्तुतः विस्तार किया, जबकि 2022 में [यूरोपीय संघ](#) ने रूसी गैस आपूर्ति पर निर्भरता कम करने के लिये [REPowerEU योजना](#) शुरू की।
 - वर्ष 2023 में, अमेरिका ने अलास्का में अपनी सबसे बड़ी तेल-ड्रिलिंग परियोजना को मंजूरी दी, जसिसे यह उद्घाटन हुआ कि विकसित देश भी जीवाश्म ईंधन पर निर्भर हैं।
- **संकुलन लागत:** नवीकरणीय ऊर्जा की ओर संक्रमण से **संकुलन लागत (Congestion Costs)** आती है और इसके कारण कई देशों में **विद्युत की कीमतें बढ़ गई हैं**।
 - संकुलन लागत (Congestion Costs) से तात्पर्य सीमित पारेषण या वितरण क्षमता से उत्पन्न अतिरिक्त लागत से है, जो विद्युत वितरण को अकुशल बनाती है।

भारत की नवीकरणीय ऊर्जा की स्थिति

- **संस्थापित क्षमता:** नवंबर 2024 तक, भारत में गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों से 213,701 मेगावाट विद्युत उपलब्ध है, जो कुल विद्युत क्षमता का 46.8% है।
 - भारत का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 50% विद्युत उत्पादन गैर-जीवाश्म ईंधन से करने का है।
- **प्रगत:** वर्ष 2022-23 में, 420.8 हजार GWh गैर-जीवाश्म ईंधन से आया, जसिने कुल उत्पादन में 22.8% का योगदान दिया।
 - बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं का योगदान 8.81% है, परमाणु ऊर्जा का योगदान 2.49% है, तथा सौर, पवन, बायोमास का योगदान 11.52% है।

//



केंद्रीय बजट में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र हेतु कौन-सी घोषणाएँ की गई हैं?

- सीमा शुल्क छूट: कोबाल्ट पाउडर, लथियम-आयन बैटरी स्क्रैप, सीसा, जस्ता और 12 अन्य क्रांतिक खनिजों को मूल सीमा शुल्क से छूट प्रदान दी गई है।
 - जुलाई 2024 में घरेलू स्तर पर उपलब्ध न होने वाले 25 क्रांतिक खनिजों को सीमा शुल्क से छूट दी गई।
- नेशनल क्रिटिकल मिनरल्स मिशन (NCMM): परौद्योगिकी विकास, कुशल कार्यबल सृजन और स्वच्छ ऊर्जा हेतु वित्तपोषण तंत्र के लिये [NCMM](#) को वर्ष 2025-26 के लिये 410 करोड़ रुपए आवंटित किये गए।
 - खान मंत्रालय के अंतर्गत NCMM का उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ाना, क्रांतिक खनिजों का पुनर्चक्रण करना और वैश्विक खनिज परसिपत्तियों का अधगिरहण करना है।
- परमाणु ऊर्जा मिशन: [परमाणु ऊर्जा मिशन](#) के लिये 20,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जिसका उद्देश्य स्वदेशी [लघु मॉड्यूलर रिएक्टर \(SMR\)](#) विकसित करना है।
 - इसका लक्ष्य वर्ष 2033 तक कम से कम पाँच SMR रिएक्टरों का परचालन करना है।
 - [भारत लघु रिएक्टर \(BSR\)](#) और [भारत लघु मॉड्यूलर रिएक्टर \(BSMR\)](#) के विकास में नजीक क्षेत्र को शामिल किया जाएगा।
 - BSR का तात्पर्य भारत के मौजूदा [दाबित भारी जल रिएक्टरों \(PHWR\)](#) के क्रमिक रूप से संशोधित रूपों से है, जबकि BSMR एक नई तकनीक है जिस पर विश्व स्तर पर शोध किया जा रहा है।

भारत के ऊर्जा संक्रमण को आकार देने वाली पहलें कौन-सी हैं?

- [\(हाइड्रोजन एवं\) इलेक्ट्रिक वाहनों को तेज़ी से अपनाना और उनका वनरिमाण \(FAME\)](#)
- [परधानमंत्री सहज बजिली हर घर योजना \(SAUBHAGYA\)](#)
- [ग्रीन एनर्जी कॉरडोर \(GEC\)](#)
- [राष्ट्रीय सौर मशिन \(NSM\)](#)
- [राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति और SATAT](#)
- [अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन \(ISA\)](#)

नषिकर्ष

भारत का ऊर्जा संक्रमण **क्रमिक और रणनीतिक** होना चाहिये, जिसमें **नवीकरणीय ऊर्जा** को अपनाने और **ऊर्जा सुरक्षा के बीच संतुलन** बनाना शामिल है। हालाँकि कोयला **महत्त्वपूर्ण** बना हुआ है कति नवीकरणीय ऊर्जा, परमाणु ऊर्जा और **क्रांतिक** खनजिों में नविश कयिा जाना **आवश्यक** है। वैश्विक अनुभवों से सीख लेते हुए, भारत को वर्ष 2070 तक अपने नेट-ज़ीरो लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए ऊर्जा **संवहनीयता, स्थिरता और आत्मनिर्भरता** सुनिश्चित करनी चाहिये।

दृष्टिभेन्स प्रश्न:

प्रश्न. भारत के नमिन-कार्बन ऊर्जा भवषिय की ओर बदलाव में चुनौतयिों और अवसरों पर चर्चा कीजयिे।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. भारत की जैव-ईंधन की राष्ट्रीय नीतिके अनुसार, जैव-ईंधन के उत्पादन के लिए नमिनलखिति में से कनिका उपयोग कच्चे माल के रूप में हो सकता है? (2020)

1. कसावा
2. कषतगिरस्त गेहूँ के दाने
3. मूँगफली के बीज
4. कुलथी
5. सड़ा आलू
6. चुकंदर

नीचे दयिे गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयिे:

- (a) केवल 1, 2, 5 और 6
- (b) केवल 1, 3, 4 और 6
- (c) केवल 2, 3, 4 और 5
- (d) 1, 2, 3, 4, 5 और 6

उत्तर: (a)

प्रश्न. भारत में इस्पात उत्पादन उद्योग को नमिनलखिति में से कसिके आयात की अपेक्षा होती है? (2015)

- (a) शोरा
- (b) शैल फॉस्फेट (रॉक फॉस्फेट)
- (c) कोककारी (कोकगि) कोयला
- (d) उपरयुक्त सभी

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. पारंपरिक ऊर्जा उत्पादन के वपिरीत सूर्य के प्रकाश से वदियुत ऊर्जा प्राप्त करने के लाभों का वर्णन कीजयिे। इस प्रयोजनार्थ हमारी

सरकार द्वारा प्रस्तुत पहल क्या हैं? (2020)

प्रश्न. "प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभाव के बावजूद, विकास के लिये कोयला खनन अभी भी अपरहार्य है"। वविचना कीजिये। (2017)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/balancing-energy-transition-security>

